

पृथ्वी-II मसिाइल

प्रलिमिंस के लयि:

पृथ्वी-II, DRDO, IGMDP, अगर्न-IV, बैलसि्टकि मसिाइल, वभिन्नि प्रकार की मसिाइलें ।

मेन्स के लयि:

भारत की मसिाइल प्रौद्योगकिी, IGMDP ।

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में भारत ने सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम कम दूरी की बैलसि्टकि मसिाइल पृथ्वी- II का रात में सफलतापूरवक परीक्षण कयिा ।

- इससे पहले इंटरमीडिएट रेंज की बैलसि्टकि मसिाइल अगर्न- IV का परीक्षण कयिा गया था जो 4,000 कर्मी. की दूरी तय कर सकती है ।



पृथ्वी-II मसिाइल की मुख्य वशिषताएँ:

- परचिय:

- पृथ्वी-II एक स्वदेश में विकसित सतह-से-सतह पर मार करने वाली शॉर्ट-रेंज बैलस्टिक मिसाइल (SRBM) है, जिसकी रेंज लगभग 250-350 कमी. है और यह एक टन पेलोड ले जा सकती है ।
- पृथ्वी-II वर्ग एक एकल-चरण तरल-ईंधन वाली मिसाइल है, जिसमें 500-1000 कगिरा. की वारहेड माउंटिंग क्षमता है ।
- यह मिसाइल प्रणाली बहुत उच्च स्तर की सटीकता के साथ लक्ष्य भेदने में सक्षम है ।
- अत्याधुनिक मिसाइल अपने लक्ष्य को भेदने के लिये कुशल प्रक्षेपक के साथ एक उन्नत जड़त्वीय मार्गदर्शन प्रणाली का उपयोग करती है ।
- इसे शुरू में भारतीय वायुसेना के लिये प्राथमिक उपयोगकर्ता के रूप में विकसित किया गया था और बाद में इसे भारतीय सेना में भी शामिल किया गया था ।
- जबकि मिसाइल को 2003 में पहली बार भारत के सामरिक बल कमान में शामिल किया गया था, यह IGMDP के तहत विकसित पहली मिसाइल थी ।

■ नरिमाण:

- **भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के एकीकृत नरिदेशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के तहत ।**

पृथ्वी मिसाइल:

- पृथ्वी मिसाइल प्रणाली में विभिन्न सामरिक सतह से सतह पर कम दूरी की बैलस्टिक मिसाइल (SRBM) शामिल हैं ।
- इसका विकास वर्ष 1983 में शुरू हुआ और यह भारत की पहली स्वदेशी बैलस्टिक मिसाइल थी ।
- इसका पहला परीक्षण वर्ष 1988 में श्रीहरिकोटा, शार (SHAR) सेंटर से किया गया था ।
 - इसकी रेंज 150-300 कमी. है ।
- पृथ्वी I और पृथ्वी III श्रेणी की मिसाइलों के नौसैनिक संस्करण का कोड-नाम धनुष है ।
- प्रणोदन तकनीक सोवियत SA-2 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल पर आधारित थी ।
 - सोवियत SA-2 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल:
 - वर्ष 1950 के दशक के मध्य में विकसित, सोवियत SA-2 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल सोवियत संघ की सतह से हवा में मार करने वाली पहली प्रभावी मिसाइल थी ।
 - इसे सारकिक परमाणु हथियार के रूप में युद्धक्षेत्र मिसाइल हेतु डिज़ाइन किया गया था जो परमाणु हथियार ले जा सकता था ।
- पृथ्वी I मिसाइल वर्ष 1994 से भारतीय सेना में सेवारत है ।
 - कथति तौर पर, **प्रहार मिसाइलों** को पृथ्वी I मिसाइलों से बदला जा रहा है ।
- पृथ्वी II मिसाइलें वर्ष 1996 से सेवा में हैं ।
- 350 कमी. की अधिक विस्तारित रेंज वाले पृथ्वी III का वर्ष 2004 में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था ।

एकीकृत नरिदेशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP):

■ परिचय:

- IGMDP मिसाइलों की एक वस्तुतः शृंखला के अनुसंधान और विकास के लिये भारतीय रक्षा मंत्रालय का एक कार्यक्रम था ।
- परियोजना वर्ष 1982-1983 में डॉ एपीजे अबदुल कलाम के नेतृत्व में शुरू हुई थी
- इस कार्यक्रम ने डॉ एपीजे अबदुल कलाम को भारत का मिसाइल मैन बना दिया ।
- एकीकृत नरिदेशित मिसाइल कार्यक्रम वर्ष 2008 में पूरा हुआ था ।

IGMDP के तहत विकसित पाँच मिसाइलें:

- इस कार्यक्रम के तहत विकसित 5 मिसाइलें (P-A-T-N-A) हैं:
 - **पृथ्वी:** सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम कम दूरी वाली बैलस्टिक मिसाइल ।
 - **अग्नि:** सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम मध्यम दूरी वाली बैलस्टिक मिसाइल, यानी अग्नि (1,2,3,4,5) ।
 - **त्रिशूल:** सतह से आकाश में मार करने में सक्षम कम दूरी वाली मिसाइल ।
 - **नाग:** तीसरी पीढ़ी की टैंक भेदी मिसाइल ।
 - **आकाश:** सतह से आकाश में मार करने में सक्षम मध्यम दूरी वाली मिसाइल ।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. अग्नि-IV मिसाइल के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (2014)

1. यह सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है ।
2. यह केवल तरल प्रणोदक द्वारा संचालित होती है ।
3. यह लगभग 7500 कमी. दूरी तक एक टन परमाणु आयुध पहुँचाने में सक्षम है ।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

- अग्नि-IV भारत की परमाणु-संपन्न लंबी दूरी की बैलस्टिक मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 4,000 किलोमीटर है।
- स्वदेश निर्मित अग्नि-IV सतह से सतह पर मार करने वाली दो चरणों वाली मिसाइल है। यह 17 टन वजन के साथ 20 मीटर लंबी है **अतः कथन 1 सही है।**
- यह दो चरणों वाली ठोस ईंधन प्रणाली है जो एक टन के परमाणु हथियार को 4,000 किलोमीटर की दूरी तक ले जा सकती है **अतः कथन 2 और 3 सही नहीं हैं।**

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prithvi-ii-missile>

